

गंगा एक्सप्रेस-वे से मिलेगी टेम्पल इकॉनमी को रफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर, कल्कि धाम, बेल्ला देवी धाम के लिए सीधे होगी कनेक्टिविटी

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** मेरठ से प्रयागराज तक बने गंगा एक्सप्रेस-वे सिर्फ लोगों के सफर को आसान नहीं करेगा, बल्कि प्रदेश में धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा देगा। 12 जिलों से होकर गुजरने वाले इस एक्सप्रेस-वे से जरिए पश्चिमी यूपी से पूर्वी यूपी की दूरी कम होगी। साथ ही प्रदेश के बड़े धार्मिक और आध्यात्मिक स्थल भी इस एक्सप्रेस-वे के जरिए जुड़ेंगे, जिससे श्रद्धालु कम समय में इन स्थलों तक पहुंच सकेंगे। पर्यटन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक इस एक्सप्रेस-वे के जरिए 6 बड़े धार्मिक स्थल सीधे जुड़ेंगे। इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था में आध्यात्मिक टूरिज्म का योगदान और बढ़ेगा। एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरदोई से करेंगे।

धार्मिक स्थल सीधे जुड़ेंगे : 594 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेस-वे के जरिए गढ़मुक्तेश्वर, कल्कि धाम, बेल्ला देवी धाम, चंद्रिका देवी शक्ति पीठ और त्रिवेणी संगम जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों तक पहुंच पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो जाएगी। यह वे स्थान हैं जहां हर साल लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। एक्सप्रेस-वे के शुरू होने के बाद श्रद्धालु इन तीर्थों के दर्शन आसानी से कम समय में कर सकेंगे। इस एक्सप्रेस-वे के जरिए दिल्ली से आने वाले श्रद्धालु भी कम समय में इन धार्मिक स्थलों तक पहुंच सकेंगे।

एक्सप्रेस-वे के विस्तार से धार्मिक पर्यटन को मिलेगी और रफ्तार : धार्मिक



**NBT
Lens**
खबरों के
अंदर की बात

कैसे योगदान दे रहा धार्मिक पर्यटन?

2025 में यूपी में 1.56 अरब से अधिक पर्यटकों (देसी व विदेशी) ने भ्रमण किया। इसमें राम मंदिर बनने के बाद अयोध्या में 30 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। काशी विश्वनाथ क्षेत्र ने 25 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आए।

अकेले वाराणसी में ही काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के बनने के बाद से इसने राज्य की अर्थव्यवस्था में लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपये का योगदान दिया है। वहीं, अनुमान है कि अयोध्या में धार्मिक पर्यटकों की संख्या बढ़ने से राज्य सरकार को करीब 25,000 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व मिलने का अनुमान है। महाकुंभ 2025 से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के योगदान दिया था।

पर्यटन की बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए राज्य सरकार गंगा एक्सप्रेस-वे का विस्तार करेगी। मेरठ से प्रयागराज तक गंगा एक्सप्रेस-वे शुरू होने के बाद इस एक्सप्रेस-वे का विस्तार वाराणसी, मीरजापुर और सोनभद्र तक किया जाएगा, जिससे मां विन्ध्यवासिनी धाम, काशी-विश्वनाथ धाम सीधे इस एक्सप्रेस-वे के जरिए जुड़ सकेंगे। यूपीड के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक एक्सप्रेस-वे का विस्तार होने से वाराणसी, विन्ध्याचल, अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं

की संख्या में और बढ़ोतरी होगी। इसकी मुख्य वजह रोड कनेक्टिविटी का बेहतर होना है।

अर्थव्यवस्था में धार्मिक पर्यटन का करीब 12 प्रतिशत का योगदान : उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में धार्मिक पर्यटन का बड़ा योगदान है। आंकड़ों के मुताबिक राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 12% का योगदान धार्मिक पर्यटन का है। अयोध्या, काशी और मथुरा-वृंदावन, प्रयागराज जैसे तीर्थ स्थलों पर आने वाले के कायाकल्प से पर्यटकों की संख्या में ऐतिहासिक वृद्धि हुई है।